Literacy for a Billion

Movie: Farz
Year: 1967

Song: Tumse o haseena
Lyricist: Anand Bakshi

तुम से ओ हसीना
कभी मोहब्बत ना मैंने करनी थी
तुम से ओ हसीना
कभी मोहब्बत ना मैंने करनी थी
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया
हाँ
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया

तुम से ओ दीवाने
कभी मोहब्बत ना मैंने करनी थी
तुम से ओ दीवाने
कभी मोहब्बत ना मैंने करनी थी
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया
हाँ
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया

आग सुलग गई नस नस में
नींद रही ना रहा चैन बस में
तोड़ी जाए ना अब मुझसे
प्यार की ये रस्में क़समें
आ गई बुलबुल कफ़स में
तौबा मेरी तौबा
ये अपनी हालत ना मैंने करनी थी
तौबा मेरी तौबा
ये अपनी हालत ना मैंने करनी थी
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया
हाँ
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया

लोग ये मुझको है समझाते
बीत रही थी हँसते गाते
मैंने तुम्हें किसलिए छेड़ा
राहों में आते जाते
मुझे सब है सताते
तौबा मेरी तौबा
कि ये शरारत ना मैंने करनी थी
तौबा मेरी तौबा
कि ये शरारत ना मैंने करनी थी
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया
हाँ
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया

शाम सवेरे दिल घबराए
राज़ ऐ दिल ना खुल जाए
रात हमारे सपनों में छुप के
रोज कोई आए जाए
काहे नेहा लगाए
तौबा मेरी तौबा
कि ये क़यामत ना मैंने करनी थी
तौबा मेरी तौबा
कि ये क़यामत ना मैंने करनी थी
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया
हाँ
मगर मेरे दिल ने मुझे धोखा दे दिया

Literacy for a Billion

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.